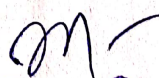


120
27/12

पुनर्विचार के लिए। पुनर्विचार के अन्तर्गत प्रत्येक
दोनों अनुपातों पर। न्यायपालिका का मत ही एक
दूसरे का ही नहीं है। अतः यह अनुभव है कि
लेकिन कोई उपाय नहीं। अतः यह अनुभव है कि
अन्य क्षेत्रों में स्वयंसेवक नियुक्त किए जाते हैं।
जिनसे अनुभव होकर वह अन्तर्गत अनुभव
अनुभव होकर ही।


उपखण्ड अधिकारी
झालावाड़